रोज मिल सकते हैं ₹2000, फिर भी गुरुजी कॉपियां जांचने को नहीं तैयार

विवि को मजबूरन कॉपी नहीं जांचने वाले शिक्षकों के वेतन रोकने के जारी करने पड़े आदेश

अंकित गर्ग

देहरादून। उत्तराखंड तकनीकी विवि के कैंपस संस्थानों के शिक्षक प्रतिदिन 2000 रुपये में भी कॉपियां जांचने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इतने रुपये में एक शिक्षक को 24 घंटे में 100 कॉपियां जांचनी थी। कॉपियां जांचने की धीमी रफ्तार से रिजल्ट जारी करने में देरी की आशंका के चलते विवि प्रशासन को वेतन रोकने के निर्देश जारी करने पड़े। वेतन जारी न होने के डर से शिक्षकों की नींद टूटी तो कॉपियां जांचने के काम की रफ्तार दोगुनी हो गई।

गौरतलब है कि उत्तराखंड तकनीकी विवि के परिसर संस्थानों एवं संबद्ध संस्थानों में सम-सेमेस्टर की परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। इसी के साथ ही विश्वविद्यालय ने कॉपियां जांचने के लिए विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों का चयन किया है। ऑनलाइन सिस्टम के तहत

50 हजार कॉपियों का ही मूल्यांकन हो पाया है

आदेश जारी होते ही दोगुनी हो गई कॉपी जांचने की रफ्तार

प्रत्येक चयनित शिक्षक को ऑन स्क्रीन मूल्यांकन के लिए कॉपियां भेजी गई हैं। लेकिन शिक्षकों की संख्या के लिहाज से जहां रोजाना 6 हजार से अधिक कॉपियां चेक होनी थी, वहां हर रोज इसका आंकड़ा 3 हजार भी पार नहीं कर पा रहा था।

विवि प्रशासन की ओर से शिक्षकों को गंभीरता के साथ कॉपियां जांचने के लिए पत्र भी भेजा जा रहा था। लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। जिसके बाद विवि परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल की ओर से विवि के परिसर संस्थानों के निदेशकों को पत्र भेजकर कॉपियां नहीं जांचने वाले शिक्षकों के वेतन पर रोक लगाए जाने के निर्देश दिए गए। जिसके बाद अब स्थिति में सुधार हुआ है।

बता दें कि सम-सेमेस्टर 2023-24 में करीब एक लाख 30 हजार कॉपियां की जांच की जानी है। इसमें से अभी तक करीब 50 हजार कॉपियों का ही मूल्यांकन हो पाया है। माना जा रहा है कि अब जल्द ही विवि अलग-अलग तिथियों में विभिन्न पाठ्यक्रमों के रिजल्ट जारी करना शुरू कर देगा। संवाद

शिक्षक के खाते में ऐसे आते हैं हर दिन दो हजार

नियमानुसार एक शिक्षक 24 घंटे में 100 से अधिक कॉपियां नहीं जांच सकता है। यह नियम मूल्यांकन कार्य की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए किया गया है। विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल ने बताया कि यूजी पाठ्यक्रम में प्रति कॉपी मूल्यांकन के लिए 20 रुपये और पीजी पाठ्यक्रम की प्रति कॉपी जांचने के लिए 25 रुपये निर्धारित हैं। ऐसे में 100 कॉपियां जांचने पर प्रत्येक शिक्षक को दो से ढाई हजार रुपये मिल जाते हैं। ऐसे में किसी शिक्षक ने 20 दिन भी कॉपियां जांची तो 40 से 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होती है।

रेंडम सिस्टम से जांचने को मिलती हैं कॉपियां

विवि की ओर से ऑन स्क्रीन कॉपी मूल्यांकन के लिए रेंडम सिस्टम लागू किया है। जिसके चलते शिक्षकों को यह मालूम नहीं हो पाएगा कि उन्हें किस सेंटर की कॉपी जांचने के लिए मिलेगी। विवि परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल ने बताया कि परीक्षा की गोपनीयता के लिए ऑनलाइन सिस्टम बनाया गया है।